

CORPORATE ACCOUNTING- C010501T

UNIT I: Shares, Forfeiture, Reissue & Redemption of Preference Shares

Question 1

- **EN:** Define a share and state four essential characteristics of shares.
- **HI:** अंश (शेयर) को परिभाषित कीजिए तथा अंशों की चार प्रमुख विशेषताएं बताइए।

Answer:

- **EN:** According to Section 2(84) of the Companies Act, 2013, a share means a share in the share capital of a company and includes stock. Four essential features include:
 1. **Indivisible Unit:** It is the smallest fractional unit of the total capital of a company.
 2. **Movable Property:** Under Section 44, shares are transferable movable property subject to articles.
 3. **Distinct Numbering:** Each share bears a distinctive serial number for identification.
 4. **Right & Liability:** It confers rights (dividends, voting) and defines the shareholder's limited liability.
- **HI:** कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(84) के अनुसार, अंश से आशय कंपनी की अंश पूंजी के एक भाग से है और इसमें स्टॉक भी शामिल है। इसकी चार मुख्य विशेषताएं हैं:
 1. **अविभाज्य इकाई:** यह कंपनी की कुल पूंजी की सबसे छोटी इकाई होती है।
 2. **हस्तांतरणीय संपत्ति:** धारा 44 के तहत अंश एक चल संपत्ति हैं जो अंतरनियमों की शर्तों पर हस्तांतरणीय हैं।
 3. **विशिष्ट संख्या:** प्रत्येक अंश की पहचान हेतु एक विशिष्ट क्रमांक होता है।
 4. **अधिकार और दायित्व:** यह लाभांश व मताधिकार प्रदान करता है और सीमित दायित्व तय करता है।

Question 2

- **EN:** Distinguish between Equity Shares and Preference Shares on any four grounds.
- **HI:** समता अंशों (इक्विटी) तथा पूर्वाधिकार अंशों (प्रेफरेंस) में किन्हीं चार आधारों पर अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer:

- **EN:**

1. **Dividend Priority:** Preference shares have a preferential right to receive dividend before equity shares; equity shareholders receive dividends only after preference claims.
2. **Rate of Dividend:** Fixed for preference shares; fluctuating for equity shares based on profits.
3. **Voting Rights:** Preference shares hold limited voting rights (only on matters affecting them); equity shares carry full voting rights.
4. **Repayment of Capital:** On winding up, capital is returned to preference shareholders prior to equity shareholders.

- **HI:**

1. **लाभांश की प्राथमिकता:** पूर्वाधिकार अंशों को समता अंशों से पहले लाभांश पाने का अधिकार होता है; समता अंशों को बाद में मिलता है।
2. **लाभांश की दर:** पूर्वाधिकार अंशों पर दर निश्चित होती है, जबकि समता अंशों पर लाभ के अनुसार बदलती रहती है।
3. **मताधिकार:** पूर्वाधिकार अंशधारकों को सीमित मामलों में मताधिकार होता है; समता अंशधारकों को सामान्य सभा में पूर्ण मताधिकार होता है।
4. **पूंजी की वापसी:** कंपनी के समापन पर पूर्वाधिकार अंशपूंजी समता अंशपूंजी से पहले वापस की जाती है।

Question 3

- **EN:** Explain Authorized Capital, Issued Capital, Subscribed Capital, and Paid-up Capital.
- **HI:** अधिकृत पूंजी, निर्गमित पूंजी, अभिदत्त पूंजी तथा चुकता पूंजी को समझाइए।

Answer:

- **EN:**

1. **Authorized Capital:** The maximum nominal amount of share capital authorized by the company's Memorandum of Association.
2. **Issued Capital:** The portion of authorized capital offered to the public for subscription.
3. **Subscribed Capital:** The portion of issued capital that investors have applied for and been allotted.
4. **Paid-up Capital:** The actual amount of money received by the company from shareholders against called-up capital.

- **HI:**

1. **अधिकृत पूंजी:** पार्षद सीमा नियम द्वारा अधिकृत वह अधिकतम पूंजी जिसे कंपनी जारी करने की हकदार है।
2. **निर्गमित पूंजी:** अधिकृत पूंजी का वह भाग जो जनता को खरीदने हेतु प्रस्तावित किया जाता है।
3. **अभिदत्त पूंजी:** निर्गमित पूंजी का वह हिस्सा जिसके लिए जनता द्वारा आवेदन दिया और स्वीकार किया गया है।
4. **चुकता पूंजी:** याचित पूंजी का वह वास्तविक भाग जो अंशधारकों द्वारा कंपनी को चुका दिया गया है।

Question 4

- **EN:** What is Reserve Capital? How does it differ from a Capital Reserve?
- **HI:** संचित पूंजी (Reserve Capital) क्या है? यह पूंजीगत संचय (Capital Reserve) से किस प्रकार भिन्न है?

Answer:

- **EN:** Reserve Capital represents uncalled capital that a company resolves (by special resolution) to call up only in the event of winding up (Section 65).
 - *Difference:* Reserve Capital requires no accounting entry and cannot be used during the going concern phase; Capital Reserve represents realized capital profits (e.g., profit on reissue, sale of fixed assets) created through ledger entries and used to write off capital losses.
- **HI:** संचित पूंजी से आशय न मांगी गई पूंजी के उस भाग से है जिसे कंपनी विशेष प्रस्ताव द्वारा केवल समापन की स्थिति में ही मांगने का निर्णय लेती है।
 - *अंतर:* संचित पूंजी की कोई खाता प्रविष्टि नहीं होती और यह चालू व्यवसाय में प्रयुक्त नहीं हो सकती; जबकि पूंजीगत संचय पूंजीगत लाभों (जैसे अंशों के पुनर्निर्गमन पर लाभ) से बनाई गई वास्तविक संचिति है जिसका उपयोग पूंजीगत हानियों को अपलिखित करने में होता है।

Question 5

- **EN:** Explain the terms "Calls-in-Arrears" and "Calls-in-Advance" with applicable interest rates under Table F.
- **HI:** 'बकाया याचना' (Calls-in-Arrears) और 'अग्रिम याचना' (Calls-in-Advance) को टेबल F के अनुसार लागू ब्याज दरों सहित समझाइए।

Answer:

- **EN:**

- **Calls-in-Arrears:** Amount unpaid by shareholders against a call on the due date. Under Table F, the company can charge interest up to **10% p.a.** for the default period.
- **Calls-in-Advance:** Money received from an allottee/shareholder prior to calls being formally made. Under Table F, the company pays interest up to **12% p.a.** on this advance liability.

- **HI:**

- **बकाया याचना:** देय तिथि पर अंशधारकों द्वारा याचना राशि का भुगतान न किया गया भाग। टेबल F के अनुसार कंपनी इस पर अधिकतम **10% वार्षिक** दर से ब्याज ले सकती है।
- **अग्रिम याचना:** याचना करने से पहले ही अंशधारकों से अग्रिम प्राप्त राशि। टेबल F के तहत कंपनी इस अग्रिम दायित्व पर अधिकतम **12% वार्षिक** दर से ब्याज देती है।

Question 6

- **EN:** What is meant by Pro-rata Allotment? Illustrate with an example.
- **HI:** आनुपातिक आवंटन (Pro-rata Allotment) से क्या आशय है? एक उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए।

Answer:

- **EN:** Pro-rata allotment refers to the proportionate distribution of available shares among applicants when an issue is oversubscribed, avoiding outright rejection of applications.
 - *Example:* If a company offers 10,000 shares but receives applications for 15,000 shares, it makes a pro-rata allotment in the ratio of $10,000:15,000 = 2:3$ (2 shares allotted for every 3 applied). Surplus application money is credited toward subsequent allotment money.
- **HI:** जब निर्गमन में अति-अभिदान (oversubscription) होता है, तो आवेदकों के आवेदनों को पूरी तरह रद्द किए बिना उन्हें एक निश्चित अनुपात में अंश आवंटित करना आनुपातिक आवंटन कहलाता है।
 - *उदाहरण:* यदि कंपनी 10,000 अंश जारी करती है और 15,000 आवेदन मिलते हैं, तो आनुपातिक आवंटन का अनुपात 2:3 होगा (प्रत्येक 3 आवेदित अंशों पर 2 अंश)। अतिरिक्त आवेदन राशि को आवंटन खाते में समायोजित किया जाता है।

Question 7

- **EN:** State the legal provisions regarding the utilization of Securities Premium under Section 52(2) of the Companies Act, 2013.

- **HI:** कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 52(2) के तहत प्रतिभूति प्रीमियम (Securities Premium) के उपयोग से संबंधित वैधानिक प्रावधान बताइए।

Answer:

- **EN:** Under Section 52(2), Securities Premium can be utilized exclusively for:
 1. Issuing fully paid bonus shares to members.
 2. Writing off preliminary expenses.
 3. Writing off commission paid or discount allowed on issue of shares/debentures.
 4. Providing for premium payable on redemption of redeemable preference shares or debentures.
 5. Buy-back of its own shares under Section 68.
- **HI:** धारा 52(2) के अनुसार, प्रतिभूति प्रीमियम का उपयोग केवल निम्न उद्देश्यों के लिए किया जा सकता है:
 1. सदस्यों को पूर्ण-प्रदत्त बोनस अंश जारी करने में।
 2. प्रारंभिक व्ययों को अपलिखित करने में।
 3. अंशों/ऋणपत्रों के निर्गमन पर दी गई छूट या कमीशन को अपलिखित करने में।
 4. पूर्वाधिकार अंशों या ऋणपत्रों के शोधन पर देय प्रीमियम की व्यवस्था हेतु।
 5. धारा 68 के तहत स्वयं के अंशों की पुनर्खरीद (Buy-back) में।

Question 8

- **EN:** What is Forfeiture of Shares? Give the journal entry passed when shares originally issued at par are forfeited.
- **HI:** अंशों का हरण (जब्ती) क्या है? सममूल्य पर जारी अंशों के हरण पर की जाने वाली रोजनामचा प्रविष्टि (Journal Entry) दीजिए।

Answer:

- **EN:** Forfeiture is the compulsory cancellation of shareholding by the Board of Directors due to non-payment of calls, resulting in confiscation of paid amounts and removal from the register of members.
 - *Journal Entry:*
 - Share Capital A/c ... Dr. [Called-up amount]
 - To Share Forfeiture A/c [Amount actually paid]
 - To Calls-in-Arrears A/c (or Unpaid Calls A/c) [Amount unpaid]

- **HI:** अंशधारकों द्वारा याचनाओं का भुगतान न करने पर संचालक मंडल द्वारा उनके अंशों को रद्द करना तथा उनके द्वारा जमा की गई राशि को जब्त करना 'अंशों का हरण' कहलाता है।

◦ *प्रविष्टि:*

- Share Capital A/c ... Dr. [मांगी गई पूंजी राशि से]
- To Share Forfeiture A/c [वास्तव में प्राप्त राशि से]
- To Calls-in-Arrears A/c [बकाया राशि से]

Question 9

- **EN:** Explain the rules governing the Reissue of Forfeited Shares and the treatment of the final balance in the Share Forfeiture Account.
- **HI:** हरण किए गए अंशों के पुनःनिर्गमन के नियम तथा अंश हरण खाते के अंतिम शेष के समायोजन को समझाइए।

Answer:

- **EN:** Forfeited shares can be reissued at par, premium, or discount.
 1. The maximum allowable discount on reissue cannot exceed the amount originally forfeited on those shares.
 2. Any remaining credit balance in the Share Forfeiture Account relating to the reissued shares represents a capital profit and must be transferred to the **Capital Reserve Account**:

Share Forfeiture A/c Dr.

To Capital Reserve A/c

- **HI:** हरण किए गए अंशों को सममूल्य, प्रीमियम अथवा छूट पर पुनः जारी किया जा सकता है।
 1. पुनःनिर्गमन पर अधिकतम छूट जब्त की गई राशि से अधिक नहीं हो सकती।
 2. पुनः जारी किए गए अंशों से संबंधित अंश हरण खाते के शुद्ध लाभ (शेष) को पूंजीगत लाभ मानकर **पूंजीगत संचय खाते (Capital Reserve A/c)** में हस्तांतरित किया जाता है।

Question 10

- **EN:** State any four legal conditions for the Redemption of Preference Shares under Section 55 of the Companies Act, 2013.
- **HI:** कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 55 के तहत पूर्वाधिकार अंशों के शोधन की कोई चार वैधानिक शर्तें बताइए।

Answer:

- **EN:**

1. Only fully paid-up preference shares can be redeemed.
2. Redemption must be made out of divisible profits (profits available for dividend) or proceeds of a fresh issue of shares.
3. Premium payable on redemption must be provided out of profits or securities premium account.
4. Where redemption is made out of divisible profits, a sum equal to the nominal value of shares redeemed must be transferred to the **Capital Redemption Reserve (CRR)** account.

- **HI:**

1. केवल पूर्ण-प्रदत्त पूर्वाधिकार अंशों का ही शोधन किया जा सकता है।
2. शोधन केवल विभाज्य लाभों (लाभांश हेतु उपलब्ध लाभ) या नए अंशों के निर्गमन से प्राप्त राशि से होगा।
3. शोधन पर देय प्रीमियम की व्यवस्था लाभ-हानि खाते या प्रतिभूति प्रीमियम खाते से की जानी चाहिए।
4. जब शोधन लाभों में से किया जाता है, तो शोधित अंशों के अंकित मूल्य के बराबर राशि **पूँजी शोधन संचय खाता (CRR)** में हस्तांतरित करनी होती है।

Question 11

- **EN:** What is a Capital Redemption Reserve (CRR) Account? State two purposes for which it can be utilized.
- **HI:** पूँजी शोधन संचय खाता (CRR) क्या है? इसके उपयोग के दो उद्देश्य बताइए।

Answer:

- **EN:** CRR is a statutory reserve created when preference shares are redeemed out of free profits, intended to maintain the capital base and safeguard creditors' interests.
 - *Utilization:* As per Section 55, it can only be used for issuing **fully paid bonus shares** to the members of the company. It cannot be distributed as cash dividend or used to write off capital losses.
- **HI:** पूँजी शोधन संचय (CRR) वह वैधानिक संचय है जो पूर्वाधिकार अंशों के स्वतंत्र लाभों से शोधन करने पर बनाया जाता है ताकि लेनदारों के हितों की रक्षा हेतु पूँजी आधार बना रहे।
 - *उपयोग:* धारा 55 के अनुसार, इसका उपयोग केवल सदस्यों को **पूर्ण-प्रदत्त बोनस अंश** जारी करने के लिए किया जा सकता है। इसका उपयोग नकद लाभांश वितरण या हानियां अपलिखित करने में नहीं हो सकता।

Question 12

- **EN:** Explain the accounting treatment when preference shares are redeemed by issuing fresh equity shares at a premium.
- **HI:** जब पूर्वाधिकार अंशों का शोधन प्रीमियम पर नए समता अंश जारी करके किया जाता है, तो उसका लेखांकन व्यवहार समझाइए।

Answer:

- **EN:** Only the **face value** of fresh equity shares qualifies toward the nominal value required for redemption. The premium collected on fresh issue cannot be counted toward replacing the capital base; it goes to the Securities Premium Account.
 - *CRR Requirement:* Nominal Value of Pref. Shares –
Nominal Value of Fresh Issue = Amount to transfer to CRR.
 - *Entries:* Bank A/c Dr. to Equity Share Capital & Securities Premium;
then Pref. Share Capital A/c Dr. to Pref. Shareholders A/c.
- **HI:** शोधन हेतु पूंजी प्रतिस्थापन में केवल नए समता अंशों के **अंकित मूल्य (Face Value)** को ही गिना जाता है। नए अंशों पर प्राप्त प्रीमियम को CRR की पूर्ति में नहीं गिना जा सकता।
 - *CRR सूत्र:* पूर्वाधिकार अंशों का अंकित मूल्य – नए अंशों का अंकित मूल्य = CRR में हस्तांतरण।
 - *प्रविष्टि:* Bank A/c Dr. To Equity Share Capital A/c & To Securities Premium A/c; तत्पश्चात पूर्वाधिकार अंशधारियों को भुगतान प्रविष्टियां की जाती हैं।

UNIT II: Debentures, Profit Prior to Incorporation & Final Accounts

Question 13

- **EN:** Define a Debenture and outline four of its key features.
- **HI:** ऋणपत्र (Debenture) को परिभाषित कीजिए तथा इसकी चार प्रमुख विशेषताएं बताइए।

Answer:

- **EN:** According to Section 2(30) of the Companies Act, 2013, a debenture includes debenture stock, bonds, or any other instrument of a company evidencing a debt, whether constituting a charge on the company's assets or not.
 1. It is a formal acknowledgment of debt.
 2. Carries a fixed rate of interest payable periodically, irrespective of profits.
 3. Debenture holders are creditors of the company, with no voting rights.

4. Usually secured by fixed or floating charges over company assets.
- **HI:** कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(30) के अनुसार, ऋणपत्र में ऋणपत्र स्टॉक, बॉन्ड या कंपनी का कोई अन्य प्रपत्र शामिल है जो ऋण का साक्ष्य देता है, चाहे संपत्तियों पर प्रभार हो या न हो।
 1. यह ऋण स्वीकार करने का औपचारिक प्रमाण-पत्र है।
 2. इस पर एक निश्चित दर से ब्याज देय होता है, चाहे कंपनी को लाभ हो या हानि।
 3. ऋणपत्रधारी कंपनी के लेनदार होते हैं और उन्हें कोई मताधिकार प्राप्त नहीं होता।
 4. यह आमतौर पर कंपनी की संपत्तियों पर स्थिर या चल प्रभार द्वारा सुरक्षित होते हैं।

Question 14

- **EN:** Differentiate between a Shareholder and a Debenture holder on four distinct bases.
- **HI:** अंशधारक और ऋणपत्रधारी में चार स्पष्ट आधारों पर अंतर कीजिए।

Answer:

- **EN:**
 1. **Status:** Shareholder is a co-owner; Debenture holder is a creditor.
 2. **Return:** Shareholder receives dividends (uncertain, profit-dependent); Debenture holder receives interest (fixed and guaranteed).
 3. **Control:** Shareholders possess voting rights to control management; Debenture holders have no administrative control.
 4. **Security:** Shares are never secured; Debentures are almost always secured against assets.
- **HI:**
 1. **स्थिति:** अंशधारक कंपनी का स्वामी होता है; ऋणपत्रधारी कंपनी का लेनदार (ऋणदाता) होता है।
 2. **प्रतिफल:** अंशधारक को लाभांश मिलता है (अनिश्चित और लाभ पर निर्भर); ऋणपत्रधारी को निश्चित ब्याज मिलता है।
 3. **प्रबंधकीय नियंत्रण:** अंशधारकों को मताधिकार प्राप्त होता है; ऋणपत्रधारकों को मतदान या प्रबंधन का अधिकार नहीं होता।
 4. **सुरक्षा:** अंश कभी भी बंधक या सुरक्षित नहीं होते; ऋणपत्र प्रायः संपत्तियों द्वारा बंधक (सुरक्षित) होते हैं।

Question 15

- **EN:** Explain the classification of Debentures based on Security and Permanence.
- **HI:** सुरक्षा और स्थायित्व के आधार पर ऋणपत्रों के वर्गीकरण को समझाइए।

Answer:

- **EN:**
 - **By Security:**
 1. *Secured (Mortgage) Debentures:* Backed by a fixed or floating charge on assets.
 2. *Unsecured (Naked) Debentures:* Carry no security or charge over assets.
 - **By Permanence:**
 1. *Redeemable Debentures:* Repaid after a specified period or installment schedule.
 2. *Irredeemable (Perpetual) Debentures:* Repaid only upon company liquidation or after an exceptionally long period.
- **HI:**
 - **सुरक्षा के आधार पर:**
 1. *सुरक्षित (बंधक) ऋणपत्र:* जो कंपनी की संपत्तियों पर स्थिर या चल प्रभार द्वारा सुरक्षित होते हैं।
 2. *असुरक्षित ऋणपत्र:* जिन पर कंपनी की किसी संपत्ति की कोई सुरक्षा या प्रभार नहीं होता।
 - **स्थायित्व के आधार पर:**
 1. *शोधनीय ऋणपत्र:* जिनका भुगतान एक निश्चित अवधि के बाद कर दिया जाता है।
 2. *अशोधनीय ऋणपत्र:* जिनका भुगतान कंपनी के जीवनकाल में न होकर केवल उसके समापन पर होता है।

Question 16

- **EN:** What is meant by the "Issue of Debentures as Collateral Security"? What are its two accounting presentation methods?
- **HI:** 'ऋणपत्रों का सहायक (संपार्श्विक) प्रतिभूति के रूप में निर्गमन' क्या है? इसके लेखांकन प्रस्तुतीकरण की दो विधियां बताइए।

Answer:

- **EN:** When a company borrows from a bank/financial institution, it may pledge its own debentures as secondary/subsidiary security in addition to the principal security. These become enforceable only if the primary debt defaults.
 - *Method 1 (No entry):* Shown under the loan heading by adding a disclosure note in the Balance Sheet.
 - *Method 2 (With entry):* Debenture Suspense A/c Dr. to Debentures A/c. Debenture Suspense is subtracted from Debentures on the Balance Sheet.
- **HI:** जब कंपनी बैंक या वित्तीय संस्थान से ऋण लेते समय मुख्य प्रतिभूति के अतिरिक्त अपनी ओर से द्वितीयक या सहायक प्रतिभूति के रूप में ऋणपत्र जारी करती है, तो इसे संपार्श्विक प्रतिभूति कहते हैं।
 - *विधि 1 (बिना प्रविष्टि):* इसकी कोई जर्नल प्रविष्टि नहीं होती, केवल चिट्ठे में ऋण के नीचे एक टिप्पणी लिखी जाती है।
 - *विधि 2 (प्रविष्टि द्वारा):* Debenture Suspense A/c Dr. To Debentures A/c प्रविष्टि की जाती है और चिट्ठे में Debenture Suspense को ऋणपत्रों में से घटा दिया जाता है।

Question 17

- **EN:** Give the journal entries for the issue of debentures at a discount of 5% and redeemable at a premium of 5%.
- **HI:** 5% छूट (Discount) पर निर्गमित तथा 5% प्रीमियम पर शोध्य ऋणपत्रों के निर्गमन की रोजनामचा प्रविष्टियां दीजिए।

Answer:

- **EN:**
 - 1. *Receipt:*
 - Bank A/c ... Dr. [Nominal - 5%]
 - To Debenture Application & Allotment A/c
 - 2. *Allotment & Recording Liability:*
 - Debenture Application & Allotment A/c ... Dr. [95]
 - Loss on Issue of Debentures A/c ... Dr. [10 (5 discount + 5 premium)]
 - To % Debentures A/c [100]

- To Premium on Redemption of Debentures A/c [5]
- **HI:**
 1. आवेदन राशि प्राप्त होने पर:
 - Bank A/c ... Dr. [95]
 - To Debenture Application & Allotment A/c [95]
 2. आवंटन पर:
 - Debenture Application & Allotment A/c ... Dr. [95]
 - Loss on Issue of Debentures A/c ... Dr. [10 (5 छूट + 5 शोधन प्रीमियम)]
 - To % Debentures A/c [100]
 - To Premium on Redemption of Debentures A/c [5]

Question 18

- **EN:** What is a Debenture Redemption Reserve (DRR) and what is the rule regarding Debenture Redemption Investment (DRI)?
- **HI:** ऋणपत्र शोधन संचय (DRR) क्या है तथा ऋणपत्र शोधन विनियोग (DRI) से संबंधित क्या नियम है?

Answer:

- **EN:**
 - **DRR:** A statutory reserve created out of profits under Section 71(4) to ensure adequate liquid funds exist for debenture redemption, protecting investor capital.
 - **DRI:** Companies (other than exempt categories) must invest or deposit on or before April 30 of each year at least **15%** of the nominal amount of debentures maturing during the year ending on March 31 of the next year in specified government securities.
- **HI:**
 - **DRR:** धारा 71(4) के तहत लाभों में से बनाया गया वैधानिक संचय है ताकि ऋणपत्रों के शोधन हेतु पर्याप्त कोष सुनिश्चित किया जा सके।
 - **DRI:** कंपनियों को प्रत्येक वर्ष 30 अप्रैल या उससे पूर्व, अगले वर्ष 31 मार्च तक परिपक्व होने वाले ऋणपत्रों के अंकित मूल्य का कम से कम **15%** निर्दिष्ट सरकारी प्रतिभूतियों में विनियोजित करना अनिवार्य है।

Question 19

- **EN:** Explain the redemption of debentures by purchase in the open market for immediate cancellation.
- **HI:** खुले बाजार से तत्काल रद्द करने हेतु ऋणपत्रों को खरीदकर शोधन करने की प्रक्रिया समझाइए।

Answer:

- **EN:** A company can buy its own debentures from the open market when they trade at a discount.
 - *Entry:*
 - Own Debentures / Debentures A/c ... Dr. [Nominal Value]
 - To Bank A/c [Actual Purchase Price]
 - To Profit on Redemption / Cancellation of Debentures A/c [Difference]
 - *Final:* Profit on Redemption is a capital profit transferred to **Capital Reserve**.
- **HI:** कंपनी बाजार में अपने ऋणपत्रों के अंकित मूल्य से कम भाव पर चलने पर उन्हें खरीदकर तुरंत रद्द कर सकती है।
 - *प्रविष्टि:*
 - Debentures A/c ... Dr. [अंकित मूल्य]
 - To Bank A/c [क्रय मूल्य]
 - To Profit on Cancellation of Debentures A/c [लाभ]
 - यह लाभ पूंजीगत लाभ होता है जिसे **पूंजी संचय (Capital Reserve)** में स्थानांतरित किया जाता है।

Question 20

- **EN:** What is "Profit Prior to Incorporation"? Explain its accounting nature and balance sheet presentation.
- **HI:** 'समामेलन से पूर्व का लाभ' (Profit Prior to Incorporation) क्या है? इसकी लेखांकन प्रकृति व चिट्ठे में प्रस्तुति समझाइए।

Answer:

- **EN:** Profit prior to incorporation is profit earned by a business during the period between the date of purchase/takeover of a running business and the date of legal incorporation of the company.

- *Nature:* It is a **Capital Profit**, not an operational profit, because a company cannot earn trading profit before legal existence.
- *Presentation:* Credited to Capital Reserve and shown under "Reserves and Surplus" in the Balance Sheet.
- **HI:** किसी चालू व्यवसाय के क्रय की तिथि से लेकर कंपनी के औपचारिक सम्मेलन (पंजीकरण) की तिथि के मध्य कमाए गए लाभ को 'सम्मेलन से पूर्व का लाभ' कहते हैं।
 - *प्रकृति:* यह एक **पूंजीगत लाभ (Capital Profit)** है, क्योंकि कंपनी अपने जन्म से पहले व्यापारिक लाभ नहीं कमा सकती।
 - *चिट्ठे में प्रस्तुति:* इसे पूंजीगत संचय (Capital Reserve) में जमा किया जाता है और चिट्ठे में 'Reserves and Surplus' शीर्षक के तहत दर्शाया जाता है।

Question 21

- **EN:** Explain Time Ratio and Turnover (Sales) Ratio used in calculating Profit Prior to Incorporation.
- **HI:** सम्मेलन से पूर्व के लाभ की गणना में प्रयुक्त समय अनुपात (Time Ratio) और विक्रय अनुपात (Sales Ratio) को समझाइए।

Answer:

- **EN:**
 - **Time Ratio:** Ratio between the pre-incorporation period and post-incorporation period based on calendar months:

Date of purchase to Date of incorporation: Date of incorporation to Year end

Used for fixed periodic expenses (Rent, Salaries, Depreciation).

- **Turnover Ratio:** Ratio of sales made during the pre-incorporation period to sales made during the post-incorporation period. Used for variable selling expenses (Commission, Advertisement, Bad Debts).
- **HI:**
 - **समय अनुपात:** व्यवसाय क्रय तिथि से सम्मेलन तिथि तथा सम्मेलन तिथि से वित्तीय वर्ष के अंत तक के महीनों का अनुपात है। इसका उपयोग स्थिर व्ययों (किराया, वेतन) को बांटने में होता है।
 - **विक्रय अनुपात:** सम्मेलन से पूर्व की अवधि में हुई कुल बिक्री और सम्मेलन के बाद की बिक्री का अनुपात है। इसका उपयोग बिक्री संबंधी व्ययों (कमीशन, डूबत ऋण, विज्ञापन) को बांटने में होता है।

Question 22

- **EN:** How are the following expenses treated while computing Profit Prior to Incorporation: (a) Director's Fees, (b) Preliminary Expenses, (c) Partner's Salary, (d) Gross Profit?
- **HI:** समामेलन पूर्व लाभ की गणना करते समय निम्न व्ययों का क्या व्यवहार होता है: (अ) संचालकों की फीस, (ब) प्रारंभिक व्यय, (स) साझेदार का वेतन, (द) सकल लाभ?

Answer:

- **EN:**
 1. **Director's Fees:** Charged wholly to the **post-incorporation** period (directors exist only post-incorporation).
 2. **Preliminary Expenses:** Charged wholly to the **post-incorporation** period.
 3. **Partner's Salary:** Charged wholly to the **pre-incorporation** period (partnership ceases upon incorporation).
 4. **Gross Profit:** Apportioned between pre and post periods based on the **Sales (Turnover) Ratio**.
- **HI:**
 1. **संचालकों की फीस:** पूर्णतः **समामेलन के बाद** की अवधि में प्रभारित होती है (निदेशक समामेलन के बाद ही होते हैं)।
 2. **प्रारंभिक व्यय:** पूर्णतः **समामेलन के बाद** की अवधि में अपलिखित किए जाते हैं।
 3. **साझेदार का वेतन:** पूर्णतः **समामेलन से पूर्व** की अवधि में प्रभारित होता है।
 4. **सकल लाभ:** इसे प्री और पोस्ट अवधियों में **बिक्री (टर्नओवर) अनुपात** के आधार पर बांटा जाता है।

Question 23

- **EN:** What happens if the pre-incorporation period yields a loss? How is it treated in accounts?
- **HI:** यदि समामेलन से पूर्व की अवधि में हानि (Loss Prior to Incorporation) हो, तो उसका लेखांकन व्यवहार क्या होता है?

Answer:

- **EN:** Loss prior to incorporation is treated as a **Capital Loss**.
 - *Treatment:* It cannot be debited to the regular Statement of Profit and Loss. Instead, it is debited to the **Goodwill Account** (or written off against capital reserves if available).

- *Presentation:* Displayed under Non-Current Assets (Intangible Assets - Goodwill) in the Balance Sheet until written off.
- **HI:** समामेलन पूर्व होने वाली हानि को **पूंजीगत हानि (Capital Loss)** माना जाता है।
 - *लेखांकन व्यवहार:* इसे सामान्य लाभ-हानि विवरण में डेबिट नहीं किया जाता, बल्कि **ख्याति खाते (Goodwill Account)** में डेबिट किया जाता है।
 - *चिट्ठे में प्रस्तुति:* इसे चिट्ठे में गैर-चालू संपत्तियों के अंतर्गत अमूर्त परिसंपत्ति (ख्याति) के रूप में दर्शाया जाता है।

Question 24

- **EN:** State the major heads on the "Equity and Liabilities" side of a corporate balance sheet as per Schedule III, Part I.
- **HI:** कंपनी अधिनियम की अनुसूची III, भाग I के अनुसार कंपनी के चिट्ठे के "समता एवं दायित्व" पक्ष के प्रमुख शीर्षकों के नाम लिखिए।

Answer:

- **EN:** Under Schedule III Part I, the main heads are:
 1. **Shareholders' Funds** (Share Capital, Reserves & Surplus, Money received against share warrants).
 2. **Share Application Money Pending Allotment.**
 3. **Non-Current Liabilities** (Long-term borrowings, Deferred tax liabilities, Other long-term liabilities, Long-term provisions).
 4. **Current Liabilities** (Short-term borrowings, Trade payables, Other current liabilities, Short-term provisions).
- **HI:** अनुसूची III भाग I के अनुसार मुख्य शीर्षक हैं:
 1. **अंशधारकों के कोष** (अंश पूंजी, संचय एवं अधिशेष, अंश अधिपत्रों के विरुद्ध प्राप्त राशि)।
 2. **आवंटन लंबित अंश आवेदन राशि**।
 3. **गैर-चालू दायित्व** (दीर्घकालिक उधार, आस्थगित कर दायित्व, अन्य दीर्घकालिक देयताएं, दीर्घकालिक प्रावधान)।
 4. **चालू दायित्व** (अल्पकालिक उधार, व्यापारिक देयताएं, अन्य चालू दायित्व, अल्पकालिक प्रावधान)।

Question 25

- **EN:** What is a Contingent Liability? How is it presented in the corporate Balance Sheet under Schedule III?
- **HI:** संभावित (आकस्मिक) दायित्व क्या है? अनुसूची III के तहत कंपनी के चिट्ठे में इसे कैसे दर्शाया जाता है?

Answer:

- **EN:** A contingent liability is a potential obligation arising from past events whose existence will be confirmed only by the occurrence or non-occurrence of uncertain future events beyond company control (e.g., pending lawsuits, bills discounted not matured).
 - *Presentation:* As per Schedule III, contingent liabilities are **not added** into the Balance Sheet balance totals; they are disclosed via **Footnotes** at the bottom of the Balance Sheet.
- **HI:** संभावित दायित्व वह दायित्व है जो भूतकाल की घटनाओं के परिणामस्वरूप उत्पन्न हो सकता है, लेकिन जिसका अस्तित्व भविष्य की अनिश्चित घटनाओं के घटित होने या न होने पर निर्भर करता है (उदा. न्यायालय में विचाराधीन दावे)।
 - *प्रस्तुति:* अनुसूची III के अनुसार, इसे चिट्ठे के योग में शामिल नहीं किया जाता, बल्कि चिट्ठे के नीचे **पाद-टिप्पणी (Footnote)** के रूप में दिखाया जाता है।

UNIT III: Valuation of Goodwill & Valuation of Shares

Question 26

- **EN:** Define Goodwill and mention four factors that influence its valuation.
- **HI:** ख्याति (Goodwill) को परिभाषित कीजिए तथा इसके मूल्यांकन को प्रभावित करने वाले चार कारक बताइए।

Answer:

- **EN:** Goodwill is the present value of a firm's anticipated super profits; it is an intangible asset reflecting established reputation, customer loyalty, and locational advantage.
 1. **Favorable Location:** High-traffic locations enhance revenues.
 2. **Quality of Management:** Competent leadership yields superior operational efficiencies.
 3. **Product Quality & Patents:** Possession of trademarks, patents, and dependable quality creates a moat.
 4. **Market Demand & Monopolistic Position:** Stable demand with low competition elevates future earnings.

- **HI:** ख्याति किसी व्यवसाय के अच्छे नाम, प्रतिष्ठा एवं संबंधों से मिलने वाला वह लाभ है जिसके कारण वह सामान्य लाभ की तुलना में अधिक लाभ कमाता है।
 1. **अनुकूल स्थान:** व्यवसाय का स्थान सुलभ होने पर ग्राहकों की संख्या और बिक्री बढ़ती है।
 2. **प्रबंध की कुशलता:** कुशल प्रबंधन लागत घटाता है और लाभप्रदता बढ़ाता है।
 3. **एकाधिकार व पेटेंट:** पेटेंट, ट्रेडमार्क और बेहतर उत्पाद प्रतिस्पर्धा कम करते हैं।
 4. **जोखिम की मात्रा:** कम जोखिम वाले स्थापित व्यवसायों की ख्याति अधिक होती है।

Question 27

- **EN:** Distinguish between Purchased Goodwill and Non-Purchased (Inherent) Goodwill.
- **HI:** क्रय की गई ख्याति (Purchased Goodwill) तथा आंतरिक/स्व-अर्जित ख्याति (Inherent Goodwill) में अंतर स्पष्ट कीजिए।

Answer:

- **EN:**
 - **Purchased Goodwill:** Acquired by paying consideration in excess of the net identifiable assets on a business purchase. Recognized as an asset on the balance sheet under AS-26.
 - **Inherent Goodwill:** Internally generated over time through quality, location, and customer service. As per AS-26, it is **never recorded** in the books of accounts because no cash or consideration is paid for it.
- **HI:**
 - **क्रय की गई ख्याति:** किसी व्यवसाय को खरीदते समय उसकी शुद्ध संपत्तियों से अधिक चुकाए गए प्रतिफल के बदले उत्पन्न होती है। AS-26 के अनुसार इसे चिट्ठे में दर्ज किया जाता है।
 - **स्व-अर्जित ख्याति:** व्यवसाय के अच्छे काम और प्रतिष्ठा से समय के साथ आंतरिक रूप से उत्पन्न होती है। AS-26 के अनुसार इसे खातों में नहीं दर्शाया जा सकता क्योंकि इसके लिए कोई मूल्य नहीं चुकाया गया होता।

Question 28

- **EN:** Explain the concept of "Future Maintainable Profit" in the context of goodwill valuation.
- **HI:** ख्याति मूल्यांकन के संदर्भ में 'भविष्य में बनाए रखने योग्य लाभ' (Future Maintainable Profit) की अवधारणा समझाइए।

Answer:

- **EN:** Future Maintainable Profit is the normalized operating profit a buyer can expect to earn consistently from operations.
 - *Adjustments to past profits include:*
 - Add: Abnormal losses (fire losses, loss on asset sale).
 - Deduct: Abnormal gains (speculative profits, windfall earnings, profit on asset sale).
 - Adjust: Future managerial remuneration, anticipated operational expenses, and non-trade investment income.
- **HI:** इससे आशय उस शुद्ध सामान्य लाभ से है जिसे क्रेता भविष्य में व्यवसाय से निरंतर अर्जित करने की अपेक्षा रखता है।
 - *विगत लाभों में समायोजन:*
 - असामान्य हानियों (आग से हानि, संपत्ति बिक्री पर हानि) को जोड़ा जाता है।
 - असामान्य लाभों (सट्टा लाभ, संपत्ति बिक्री पर लाभ) तथा गैर-व्यापारिक आय को घटाया जाता है।
 - भविष्य के प्रबंधकीय पारिश्रमिक एवं अनुमानित व्ययों का समायोजन किया जाता है।

Question 29

- **EN:** Explain the Super Profit Method of Goodwill valuation with its mathematical formula.
- **HI:** ख्याति मूल्यांकन की 'अधिलाभ विधि' (Super Profit Method) को सूत्र सहित समझाइए।

Answer:

- **EN:** Super Profit is the excess of future maintainable average profits over the normal return on capital employed in that industry.
 1. $\text{Normal Profit} = \text{Capital Employed} \times \frac{\text{Normal Rate of Return (NRR)}}{100}$
 2. $\text{Super Profit} = \text{Adjusted Average Profit} - \text{Normal Profit}$
 3. $\text{Goodwill} = \text{Super Profit} \times \text{Number of Years' Purchase}$
- **HI:** अधिलाभ से आशय सामान्य लाभ (उद्योग में विनियोजित पूंजी पर सामान्य प्रत्याय) पर वास्तविक औसत लाभ के आधिक्य से है।

1. सामान्य लाभ = विनियोजित पूंजी $\times \frac{\text{सामान्य प्रत्याय दर (NRR)}}{100}$
2. अधिलाभ = औसत बनाए रखने योग्य लाभ – सामान्य लाभ
3. ख्याति = अधिलाभ $\times$ क्रय किए गए वर्षों की संख्या

Question 30

- **EN:** Explain the Capitalization Method of goodwill valuation (Capitalization of Super Profits and Capitalization of Average Profits).
- **HI:** ख्याति मूल्यांकन की पूंजीकरण विधि (अधिलाभों का पूंजीकरण एवं औसत लाभों का पूंजीकरण) को समझाइए।

Answer:

- **EN:**
 - **Capitalization of Super Profits:** Assumes super profit is a perpetuity capitalized at the normal rate:

$$\text{Goodwill} = \frac{\text{Super Profit}}{\text{Normal Rate of Return (NRR)}} \times 100$$

- **Capitalization of Average Profits:**

$$\text{Total Capitalized Value} = \frac{\text{Average Profit}}{\text{NRR}} \times 100$$

$$\text{Goodwill} = \text{Total Capitalized Value} - \text{Net Capital Employed}$$

- **HI:**
 - **अधिलाभों का पूंजीकरण:** इसमें अधिलाभ को सामान्य दर पर पूंजीकृत किया जाता है:

$$\text{ख्याति} = \frac{\text{अधिलाभ}}{\text{सामान्य प्रत्याय दर}} \times 100$$

- **औसत लाभों का पूंजीकरण:**

$$\text{कुल पूंजीकृत मूल्य} = \frac{\text{औसत लाभ}}{\text{सामान्य प्रत्याय दर}} \times 100$$

$$\text{ख्याति} = \text{कुल पूंजीकृत मूल्य} - \text{शुद्ध विनियोजित पूंजी}$$

Question 31

- **EN:** What is the Annuity Method of valuing Goodwill? When is it applied?

- **HI:** ख्याति मूल्यांकन की वार्षिकी विधि (Annuity Method) क्या है? यह कब लागू की जाती है?

Answer:

- **EN:** The Annuity Method calculates the present value of estimated super profits earned over a projected term, recognizing the time value of money.
 - *Formula:* $\text{Goodwill} = \text{Super Profit} \times \text{Present Value of an Annuity of Re. 1 for given years at NRR.}$
 - *Application:* Applied when super profits will be earned steadily for a known multi-year period, requiring discounted cash flow valuation rather than crude purchase-year multipliers.
- **HI:** वार्षिकी विधि में धन के समय-मूल्य (Time Value of Money) को ध्यान में रखते हुए भविष्य में कई वर्षों तक मिलने वाले अधिलाभों का वर्तमान मूल्य ज्ञात किया जाता है।
 - *सूत्र:* $\text{ख्याति} = \text{अधिलाभ} \times \text{दी गई अवधि व दर पर ₹1 की वार्षिकी का वर्तमान मूल्य।}$
 - *उपयोग:* यह तब लागू होती है जब अधिलाभों के कई वर्षों तक स्थिर बने रहने का अनुमान हो और मुद्रा के वर्तमान मूल्य को सटीक मापना आवश्यक हो।

Question 32

- **EN:** State four circumstances under which the Valuation of Shares becomes necessary.
- **HI:** अंशों के मूल्यांकन की आवश्यकता किन चार परिस्थितियों में उत्पन्न होती है?

Answer:

- **EN:**
 1. **Amalgamation, Absorption, or Mergers:** To determine the share exchange ratio between companies.
 2. **Conversion of Shares:** Converting preference shares or debentures into equity shares.
 3. **Pledging as Collateral:** To determine lending value when shares are mortgaged for bank loans.
 4. **Taxation & Compensation:** For wealth tax, gift assessment, or state acquisition compensation calculations.
- **HI:**
 1. **कंपनियों का एकीकरण या संविलियन:** कंपनियों के बीच अंश विनिमय अनुपात निर्धारित करने हेतु।

2. **अंशों का परिवर्तन:** पूर्वाधिकार अंशों अथवा ऋणपत्रों को समता अंशों में बदलने के समय।
3. **ऋण हेतु बंधक:** बैंक या वित्तीय संस्थानों से ऋण लेते समय अंशों के मूल्य निर्धारण के लिए।
4. **कर निर्धारण एवं मुआवजा:** उपहार कर या संपत्ति कर के निर्धारण अथवा सरकारी अधिग्रहण पर मुआवजे हेतु।

Question 33

- **EN:** Explain the Net Asset (Intrinsic Value) Method of share valuation.
- **HI:** अंश मूल्यांकन की शुद्ध संपत्ति विधि (आंतरिक मूल्य विधि) को समझाइए।

Answer:

- **EN:** This method values a share based on the net tangible assets backing it, representing the shareholder recovery value upon theoretical liquidation.

◦ *Formula:*

Net Assets for Equity

= (Total Realizable Assets, incl. Goodwill)

– (External Liabilities + Preference Capital)

$$\text{Intrinsic Value per Share} = \frac{\text{Net Assets Available for Equity Shareholders}}{\text{Number of Equity Shares}}$$

- **HI:** यह विधि कंपनी की उन शुद्ध संपत्तियों पर आधारित है जो समता अंशों की सुरक्षा हेतु उपलब्ध हैं। यह अंश का आंतरिक मूल्य बताती है।

◦ *सूत्र:*

$$\text{शुद्ध संपत्ति} = (\text{ख्याति सहित संपत्तियों का वसूली मूल्य}) - (\text{बाह्य दायित्व} + \text{पूर्वाधिकार पूंजी})$$

$$\text{प्रति अंश आंतरिक मूल्य} = \frac{\text{समता अंशधारकों के लिए उपलब्ध शुद्ध संपत्ति}}{\text{समता अंशों की संख्या}}$$

Question 34

- **EN:** Explain the Yield Method (Dividend Yield & Earnings Yield) of share valuation.
- **HI:** अंश मूल्यांकन की प्रत्याय विधि (लाभांश प्रत्याय एवं उपार्जन प्रत्याय) को समझाइए।

Answer:

- **EN:** Values shares based on income-generating capacity from an ongoing business perspective.

- *Dividend Yield Basis (for minority investors):*

$$\text{Value per Share} = \frac{\text{Expected Rate of Dividend}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid-up Value per Share}$$

- *Earnings Yield Basis (for majority investors):*

$$\text{Value per Share} = \frac{\text{Actual Rate of Earnings}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid-up Value per Share}$$

- **HI:** यह चालू व्यवसाय की स्थिति में अंशधारकों द्वारा प्राप्त होने वाली आय/कमाई की क्षमता पर आधारित विधि है।

- *लाभांश प्रत्याय आधार (अल्पमत अंशधारकों हेतु):*

$$\text{प्रति अंश मूल्य} = \frac{\text{प्रत्याशित लाभांश दर}}{\text{सामान्य प्रत्याय दर}} \times \text{प्रति अंश चुकता मूल्य}$$

- *उपार्जन प्रत्याय आधार (बहुमत अंशधारकों हेतु):*

$$\text{प्रति अंश मूल्य} = \frac{\text{वास्तविक उपार्जन दर}}{\text{सामान्य प्रत्याय दर}} \times \text{प्रति अंश चुकता मूल्य}$$

Question 35

- **EN:** What is the "Fair Value" of a share? How is it computed?
- **HI:** किसी अंश का 'उचित मूल्य' (Fair Value) क्या है? इसकी गणना किस प्रकार की जाती है?

Answer:

- **EN:** Fair Value is the mean of the Intrinsic Value (Net Assets Method) and the Yield Value (Yield Method), balancing balance-sheet asset backing with income-earning power.

- *Formula:*

$$\text{Fair Value per Share} = \frac{\text{Intrinsic Value per Share} + \text{Yield Value per Share}}{2}$$

- **HI:** उचित मूल्य किसी अंश के आंतरिक मूल्य (शुद्ध संपत्ति विधि) तथा प्रत्याय मूल्य (उपार्जन विधि) का अंकगणितीय औसत होता है, जो संपत्ति और आय दोनों आधारों को संतुलित करता है।

- *सूत्र:*

$$\text{प्रति अंश उचित मूल्य} = \frac{\text{आंतरिक मूल्य} + \text{प्रत्याय मूल्य}}{2}$$

Question 36

- **EN:** Distinguish between Ex-dividend and Cum-dividend quotations of shares.
- **HI:** अंशों के लाभांश-सहित (Cum-dividend) तथा लाभांश-रहित (Ex-dividend) उद्धरणों में अंतर बताइए।

Answer:

- **EN:**
 - **Cum-dividend Price:** Quoted price includes the right to receive the declared/impending dividend. The purchaser receives the dividend directly; the seller prices this into the quotation.
 - **Ex-dividend Price:** Quoted price excludes dividend rights. The seller retains the right to collect the dividend; the purchaser acquires the share without claim to that period's dividend.
- **HI:**
 - **लाभांश-सहित (Cum-dividend):** इस मूल्य में घोषित या आगामी लाभांश प्राप्त करने का अधिकार शामिल होता है, अतः लाभांश क्रेता को मिलता है और कीमत अपेक्षाकृत अधिक होती है।
 - **लाभांश-रहित (Ex-dividend):** इस मूल्य में लाभांश का अधिकार शामिल नहीं होता। लाभांश विक्रेता को ही मिलता है और क्रेता केवल अंश का स्वामित्व खरीदता है।

Question 37

- **EN:** How does the existence of fictitious assets and non-trading investments affect the valuation of goodwill and shares?
- **HI:** कृत्रिम संपत्तियों (Fictitious Assets) तथा गैर-व्यापारिक विनियोगों का ख्याति एवं अंशों के मूल्यांकन पर क्या प्रभाव पड़ता है?

Answer:

- **EN:**
 - **Fictitious Assets** (e.g., preliminary expenses, underwriting commissions, discount on debentures): Excluded completely from Capital Employed and Net Asset calculations as they carry zero realizable market value.
 - **Non-trading Investments:** Excluded from Capital Employed during goodwill calculation (their income is deducted from maintainable profits). However, for **share valuation**, they are **included** at realizable value under net assets because they belong to equity shareholders.
- **HI:**

- **कृत्रिम संपत्तियां:** (जैसे प्रारंभिक व्यय, अवगोपन कमीशन) इनका कोई बाजार मूल्य नहीं होता, अतः ख्याति और अंश दोनों के मूल्यांकन में कुल संपत्तियों से पूरी तरह बाहर रखा जाता है।
- **गैर-व्यापारिक विनियोग:** ख्याति निकालते समय विनियोजित पूंजी और लाभों में से घटाए जाते हैं। परंतु **अंशों के मूल्यांकन** में इन्हें शुद्ध संपत्तियों में **शामिल** किया जाता है क्योंकि ये समता अंशधारकों की संपत्ति हैं।

UNIT IV: Amalgamation (AS-14), Reconstruction & Liquidation

Question 38

- **EN:** Define Amalgamation as per Accounting Standard 14 (AS-14).
- **HI:** लेखांकन मानक 14 (AS-14) के अनुसार एकीकरण (Amalgamation) को परिभाषित कीजिए।

Answer:

- **EN:** Under AS-14, amalgamation refers to an arrangement where two or more companies are joined into one, either through the transfer of their undertakings to an existing company (absorption) or by establishing a newly formed company to absorb them.
 - *Transferor Company:* The company that is amalgamated into another.
 - *Transferee Company:* The company into which a transferor company is amalgamated.
- **HI:** AS-14 के अनुसार, एकीकरण से आशय दो या दो से अधिक कंपनियों के एक संयोजन से है, जिसमें या तो विद्यमान कंपनी द्वारा अन्य का अधिग्रहण किया जाता है (संविलियन) अथवा एक नई कंपनी बनाकर पुरानी कंपनियों को उसमें समाहित कर लिया जाता है।
 - *हस्तांतरक कंपनी (Transferor):* वह कंपनी जिसका एकीकरण किसी अन्य कंपनी में हो रहा है।
 - *हस्तांतरी कंपनी (Transferee):* वह कंपनी जिसमें हस्तांतरक कंपनी का संविलियन होता है।

Question 39

- **EN:** Distinguish between Amalgamation in the Nature of Merger and Amalgamation in the Nature of Purchase.
- **HI:** 'विलयन के स्वरूप का एकीकरण' (Merger) तथा 'क्रय के स्वरूप का एकीकरण' (Purchase) में अंतर बताइए।

Answer:

- **EN:**

1. **Asset/Liability Transfer:** In a merger, all assets and liabilities are transferred; in a purchase, only selectively agreed assets and liabilities may transfer.
2. **Shareholder Continuity:** In a merger, shareholders holding $\geq 90\%$ equity must become equity holders in the transferee company; not mandatory in a purchase.
3. **Method of Accounting:** Pooling of Interests method is used for mergers; Purchase method is used for purchases.
4. **Reserve Continuity:** In a merger, all reserves retain identity; in a purchase, reserves (except statutory reserves) are not retained.

- **HI:**

1. **संपत्तियों और दायित्वों का हस्तांतरण:** विलयन में सभी संपत्तियां व दायित्व हस्तांतरित होते हैं; क्रय में चुनी हुई संपत्तियां व दायित्व लिए जा सकते हैं।
2. **अंशधारकों की सहमति:** विलयन में 90% समता अंशधारकों का नई कंपनी में अंशधारक बनना अनिवार्य है; क्रय में यह आवश्यक नहीं।
3. **लेखांकन विधि:** विलयन में 'हितों का समूहन' (Pooling of Interests) विधि लागू होती है; क्रय में 'क्रय विधि' लागू होती है।
4. **संचयों का हस्तांतरण:** विलयन में सभी संचय यथावत रहते हैं; क्रय में वैधानिक संचयों को छोड़कर अन्य संचय नहीं लिए जाते।

Question 40

- **EN:** State the five conditions for an Amalgamation to be classified in the nature of a Merger under AS-14.
- **HI:** AS-14 के अनुसार एकीकरण को 'विलयन के स्वरूप' में वर्गीकृत करने की पांच शर्तें बताइए।

Answer:

- **EN:**

1. All assets and liabilities of the transferor company become assets and liabilities of the transferee company.
2. Shareholders holding at least 90% of the face value of equity shares become equity shareholders in the transferee.
3. Consideration is discharged exclusively through equity shares (fractional shares may be paid in cash).

4. The business of the transferor company is intended to be continued by the transferee company.
5. No adjustments are intended to book values of assets and liabilities (except aligning accounting policies).

- **HI:**

1. हस्तांतरक कंपनी की समस्त संपत्तियां एवं दायित्व हस्तांतरी कंपनी के बन जाएं।
2. हस्तांतरक के कम से कम 90% समता अंशधारक हस्तांतरी कंपनी में अंशधारक बन जाएं।
3. प्रतिफल का भुगतान केवल समता अंशों के माध्यम से हो (भिन्नात्मक अंशों हेतु नकद स्वीकार्य)।
4. हस्तांतरक कंपनी के व्यवसाय को चालू रखने का इरादा हो।
5. संपत्तियों व दायित्वों के पुस्तक मूल्यों में एकसमान लेखा नीतियों के अलावा कोई फेरबदल न किया जाए।

Question 41

- **EN:** Define Purchase Consideration according to AS-14.
- **HI:** AS-14 के अनुसार क्रय प्रतिफल (Purchase Consideration) को परिभाषित कीजिए।

Answer:

- **EN:** Under AS-14, purchase consideration is the aggregate of the shares and other securities issued, and the payment made in the form of cash or other assets by the transferee company to the **shareholders** (both equity and preference) of the transferor company.
 - *Exclusion:* Any payments or liabilities taken over to pay **debenture holders or creditors** do not form part of the purchase consideration.
- **HI:** AS-14 के अनुसार, क्रय प्रतिफल से आशय हस्तांतरी कंपनी द्वारा हस्तांतरक कंपनी के **अंशधारकों** (समता एवं पूर्वाधिकार दोनों) को दिए जाने वाले अंशों, अन्य प्रतिभूतियों, नकद या अन्य संपत्तियों के कुल योग से है।
 - *अपवाद:* ऋणपत्रधारियों या लेनदारों को किए गए किसी भी भुगतान या दायित्व को क्रय प्रतिफल का हिस्सा नहीं माना जाता है।

Question 42

- **EN:** Explain the Net Payment Method and Net Assets Method of computing Purchase Consideration.

- **HI:** क्रय प्रतिफल की गणना की शुद्ध भुगतान विधि (Net Payment Method) तथा शुद्ध संपत्ति विधि (Net Assets Method) को समझाइए।

Answer:

- **EN:**

- **Net Payment Method:** Calculated by adding all payments made to transferor shareholders:

PC = Shares/Securities issued to shareholders + Cash paid to shareholders

- **Net Assets Method:** Used when individual shareholder payments are not specified:

PC = Agreed Value of Assets Taken Over – Agreed Value of Liabilities Taken Over

- **HI:**

- **शुद्ध भुगतान विधि:** इसके तहत अंशधारकों को चुकाए जाने वाले सभी भुगतानों को जोड़ा जाता है:

क्रय प्रतिफल = अंशधारकों को निर्गमित अंश/प्रतिभूतियां + अंशधारकों को दिया गया नकद

- **शुद्ध संपत्ति विधि:** जब भुगतानों का सीधा उल्लेख न हो:

क्रय प्रतिफल = ली गई संपत्तियों का मान्य मूल्य – लिए गए दायित्वों का मान्य मूल्य

Question 43

- **EN:** What is the Amalgamation Adjustment Reserve Account? Why and when is it opened?
- **HI:** एकीकरण समायोजन संचय खाता (Amalgamation Adjustment Reserve) क्या है? यह कब और क्यों खोला जाता है?

Answer:

- **EN:** In an amalgamation in the nature of purchase, the transferee company must continue maintaining statutory reserves (e.g., Investment Allowance Reserve) of the transferor company to comply with statutory tax rules.

- *Journal Entry:*

Amalgamation Adjustment Reserve A/c Dr.

To Statutory Reserve A/c

- Shown under "Reserves and Surplus" as a negative balance until reversed upon expiry of the statutory term.

- **HI:** जब 'क्रय स्वरूप का एकीकरण' होता है, तब हस्तांतरक कंपनी के वैधानिक संचयों (जैसे निवेश भत्ता संचय) को आयकर नियमों के तहत जारी रखना अनिवार्य होता है।

- *प्रविष्टि:*

Amalgamation Adjustment Reserve A/c Dr.

To Statutory Reserve A/c

- इसे चिट्ठे में 'Reserves and Surplus' के तहत ऋणात्मक शेष के रूप में दर्शाया जाता है।

Question 44

- **EN:** Differentiate between Internal Reconstruction and External Reconstruction.
- **HI:** आंतरिक पुनर्निर्माण (Internal Reconstruction) तथा बाह्य पुनर्निर्माण (External Reconstruction) में अंतर बताइए।

Answer:

- **EN:**
 1. **Liquidation:** No company is liquidated in internal reconstruction; the transferor company is wound up in external reconstruction.
 2. **New Entity:** No new company is formed internally; a new company is established externally to take over the old business.
 3. **Court Approval:** Internal reconstruction strictly requires court/NCLT confirmation under Section 66; external reconstruction does not require capital reduction confirmation.
 4. **Accounting:** Internal uses the "Capital Reduction A/c"; external follows standard AS-14 amalgamation procedures.
- **HI:**
 1. **समापन:** आंतरिक पुनर्निर्माण में कंपनी का समापन नहीं होता; बाह्य पुनर्निर्माण में पुरानी कंपनी समाप्त हो जाती है।
 2. **नई कंपनी:** आंतरिक में कोई नई कंपनी नहीं बनती; बाह्य में एक नई कंपनी का गठन पुरानी कंपनी को खरीदने हेतु किया जाता है।
 3. **न्यायालय की अनुमति:** आंतरिक पुनर्निर्माण में NCLT/न्यायालय की पूर्व स्वीकृति अनिवार्य है; बाह्य में इसकी आवश्यकता नहीं होती।
 4. **लेखांकन:** आंतरिक में 'पूंजी कटौती खाता' बनता है; बाह्य में AS-14 की क्रय प्रविष्टियां होती हैं।

Question 45

- **EN:** What is a Capital Reduction Account? What is its purpose during internal reconstruction?
- **HI:** पूंजी कटौती खाता (Capital Reduction Account / Reorganization Account) क्या है? आंतरिक पुनर्निर्माण में इसका क्या उद्देश्य है?

Answer:

- **EN:** A Capital Reduction Account is a temporary nominal account opened during internal reconstruction to execute a court-approved capital reorganization scheme.
 - *Function:* Credits record sacrifice amounts surrendered by equity holders, preference shareholders, and creditors. Debits apply those surrendered funds to write off accumulated past losses (P&L debit balance), fictitious assets, and overvalued balance-sheet assets. Any surplus balance is transferred to Capital Reserve.
- **HI:** पूंजी कटौती खाता आंतरिक पुनर्निर्माण के दौरान खोला जाने वाला एक नाममात्र (अस्थायी) खाता है।
 - *उद्देश्य:* अंशधारकों, ऋणपत्रधारियों एवं लेनदारों द्वारा किए गए त्याग (छूट) को इसमें क्रेडिट किया जाता है। फिर इस राशि का उपयोग पुरानी संचित हानियों, कृत्रिम संपत्तियों एवं अत्यधिक मूल्यांकित संपत्तियों को अपलिखित करने में किया जाता है। बचा हुआ शेष पूंजी संचय में जाता है।

Question 46

- **EN:** Give journal entries for: (a) Reducing equity shares of Rs. 100 each to Rs. 10 each fully paid. (b) Writing off accumulated losses using the Capital Reduction Account.
- **HI:** जर्नल प्रविष्टियां दीजिए: (अ) ₹100 वाले समता अंश को घटाकर ₹10 पूर्ण प्रदत्त करना। (ब) पूंजी कटौती खाते का उपयोग करके संचित हानियों को अपलिखित करना।

Answer:

- **EN:**
 1. *Sub-division/Reduction:*
Equity Share Capital (Rs. 100) A/c Dr. [Old Nominal Value]
 To Equity Share Capital (Rs. 10) A/c [New Nominal Value]
 To Capital Reduction A/c [Sacrificed Balance]
 2. *Writing off Losses:*

Capital Reduction A/c Dr.
To Profit and Loss A/c (Debit Balance)
To Goodwill / Preliminary Expenses A/c

- **HI:**

1. *अंश मूल्य घटाने पर:*

- Equity Share Capital (Old) A/c ... Dr.
- To Equity Share Capital (New) A/c
- To Capital Reduction A/c

2. *हानियों को अपलिखित करने पर:*

- Capital Reduction A/c ... Dr.
- To Profit & Loss A/c (डेबिट शेष)
- To Goodwill / Preliminary Expenses A/c

Question 47

- **EN:** What is Liquidation of a Company? State three modes of winding up under Indian corporate law.
- **HI:** कंपनी का समापन (Liquidation) क्या है? भारतीय कंपनी विधि के अंतर्गत समापन के तीन स्वरूप बताइए।

Answer:

- **EN:** Liquidation is the legal process of terminating a company's legal existence, where assets are collected, liabilities settled, and the residual balance distributed to members in accordance with statutory rights.
 - *Modes:*
 1. **Compulsory Winding Up by the Tribunal (NCLT)** under Section 271.
 2. **Voluntary Liquidation** under the Insolvency and Bankruptcy Code (IBC), 2016.
 3. **Summary Liquidation** for smaller specified classes of companies.
- **HI:** समापन वह कानूनी प्रक्रिया है जिसके द्वारा कंपनी का जीवन समाप्त किया जाता है, संपत्तियों को बेचकर लेनदारों का भुगतान किया जाता है और शेष राशि अंशधारकों में बांटी जाती है।

○ स्वरूप:

1. अधिकरण (NCLT) द्वारा अनिवार्य समापन (धारा 271 के अंतर्गत)।
2. इन्सॉल्वेंसी एंड बैंकरप्सी कोड (IBC), 2016 के तहत स्वैच्छिक समापन।
3. लघु कंपनियों हेतु संक्षेप समापन (Summary Liquidation)।

Question 48

- **EN:** What is a "Liquidator's Final Statement of Account"? How does it differ from a regular Cash Book?
- **HI:** 'निस्तारक का अंतिम खाता विवरण' (Liquidator's Final Statement of Account) क्या है? यह सामान्य रोकड़ बही से किस प्रकार भिन्न है?

Answer:

- **EN:** It is a statutory cash summary prepared by the official liquidator upon completion of asset realizations, accounting for total cash receipts (asset sales) and detailing payment disbursements ordered according to legal statutory priorities.
 - *Difference:* A Cash Book records transactions chronologically during a going-concern lifecycle; the Liquidator's Statement is a termination document structured specifically around priority of claims prescribed by company law.
- **HI:** यह कंपनी के निस्तारक द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला अंतिम वित्तीय विवरण है, जिसमें संपत्तियों की वसूली से प्राप्त नकद तथा वैधानिक प्राथमिकताओं के अनुसार किए गए भुगतानों का संपूर्ण ब्योरा दर्ज होता है।
 - *अंतर:* सामान्य रोकड़ बही चालू व्यवसाय में दैनिक लेन-देन दर्ज करती है; जबकि निस्तारक का विवरण व्यवसाय समापन पर वैधानिक क्रम अनुसार भुगतान प्रदर्शित करने वाला वैधानिक दस्तावेज है।

Question 49

- **EN:** Explain "Preferential Creditors" under Section 326/327 of the Companies Act, 2013, giving two examples.
- **HI:** कंपनी अधिनियम, 2013 की धारा 326/327 के अंतर्गत 'पूर्वाधिकार लेनदार' (Preferential Creditors) क्या हैं? दो उदाहरण दीजिए।

Answer:

- **EN:** Preferential creditors are unsecured debts that hold statutory priority over normal unsecured creditors and floating charge holders during liquidation distributions.

- *Examples:*
 1. All statutory revenues, taxes, cesses, and rates due to the Central/State government or local authority accrued within 12 months prior to winding up.
 2. Employee wages, salaries, and accrued holiday remuneration for services rendered during the 4 months preceding winding up, subject to statutory limits.
- **HI:** पूर्वाधिकार लेनदार वे असुरक्षित लेनदार होते हैं जिन्हें समापन पर सामान्य लेनदारों एवं चल प्रभार वाले ऋणपत्रधारियों से पहले भुगतान पाने का कानूनी अधिकार होता है।
 - *उदाहरण:*
 1. समापन से पूर्व के 12 महीनों में केंद्र/राज्य सरकार या स्थानीय प्राधिकरण को देय समस्त कर, प्रभार एवं लगान।
 2. समापन से पूर्व 4 महीनों की अवधि में कर्मचारियों व श्रमिकों का बकाया वेतन, मजदूरी और भविष्य निधि कोष।

Question 50

- **EN:** State the legal order of disbursement in the Liquidator's Final Statement of Account.
- **HI:** निस्तारक के अंतिम खाता विवरण में भुगतानों के वितरण का वैधानिक क्रम बताइए।

Answer:

- **EN:** The statutory payment sequence is:
 1. Liquidation expenses and legal fees.
 2. Liquidator's remuneration.
 3. Preferential creditors.
 4. Debenture holders and creditors secured by a floating charge.
 5. Unsecured creditors.
 6. Preference shareholders (arrears of dividend, then capital repayment).
 7. Equity shareholders (balance surplus).
- **HI:** निस्तारक द्वारा किए जाने वाले भुगतानों का वैधानिक क्रम निम्न है:
 1. कानूनी व्यय एवं समापन की लागत।
 2. निस्तारक का पारिश्रमिक।

3. पूर्वधिकार लेनदार।
4. चल प्रभार वाले ऋणपत्रधारी व बंधक लेनदार।
5. सामान्य असुरक्षित लेनदार।
6. पूर्वधिकार अंशधारक (बकाया लाभांश व पूंजी वापसी)।
7. समता अंशधारक (अंतिम बची हुई आधिक्य राशि)।